



भारत एशियाई बुनियादी ढांचा निवेश बैंक के संचालक मंडल की तीसरी वार्षिक बैठक की मेजबानी करेगा

मुंबई में 25-28 जून 2018 को होने वाली बैठक के आयोजन के लिए भारत सरकार और एशियाई बुनियादी ढांचा निवेश बैंक के बीच समझौता पत्र पर हस्ताक्षर

2018 की वार्षिक बैठक का विषय है- ढांचे के लिए वित्त जुटाना : नवाचार और सहयोग

Posted On: 12 DEC 2017 8:33PM by PIB Delhi

भारत एशियाई ढांचा निवेश बैंक के संचालक मंडल की तीसरी वार्षिक बैठक की मुंबई में 25 से 26 जून 2018 के बीच मेजबानी करेगा। 2018 की इस बैठक का विषय है- ढांचे के लिए वित्त जुटाना: नवाचार और सहयोग। भारत सरकार और एशियाई बुनियादी ढांचा निवेश बैंक (एआईआईबी) सचिवालय के बीच उपर्युक्त वार्षिक बैठक के आयोजन में शामिल होने वाले प्रमुख साझेदारों के कर्तव्यों और जिम्मेदारियों को निर्धारित करने के लिए आज एक समझौता पत्र पर हस्ताक्षर हुए। भारत सरकार की ओर से समझौता पत्र पर श्री समीर कुमार खरे, संयुक्त सचिव (बहुपक्षीय संस्थान प्रभाग), आर्थिक मामलों के विभाग (डीईए), वित्त मंत्रालय और एआईआईबी की ओर से एआईआईबी के उपाध्यक्ष एवं कॉर्पोरेट सचिव श्री डेनी अलेक्जेंडर ने हस्ताक्षर किए। हस्ताक्षर समारोह नई दिल्ली में नॉर्थ ब्लॉक में स्थित वित्त मंत्रालय में हुए। इस अवसर पर सुभाषचंद्र गर्ग, सचिव (आर्थिक मामले), डॉ. एम.एम कुट्टी, अतिरिक्त सचिव (आर्थिक मामले) और भारत सरकार तथा एआईआईबी के कई वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

इस अवसर पर आर्थिक मामले विभाग के सचिव श्री सुभाष चन्द्र गर्ग ने कहा कि यह बेहद महत्वपूर्ण है कि भारत मुम्बई में एआईआईबी की तीसरी वार्षिक बैठक का आयोजन कर रहा है। भारत सिर्फ एआईआईबी का संस्थापक सदस्य ही नहीं है बल्कि यह एआईआईबी में दूसरा सबसे बड़ा शेयर धारक भी है। श्री गर्ग ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर के इस आयोजन के जरिए भारत के पास अपनी आर्थिक शक्ति के प्रदर्शन का अच्छा अवसर है। भारत और एशिया में बुनियादी ढांचे में निवेश के अवसरों की संभावनाओं के बारे में एआईआईबी के सदस्यों को अवगत कराने का भी यह एक अच्छा अवसर साबित होगा।

एआईआईबी के उपाध्यक्ष और कॉर्पोरेट सचिव श्री डेनी अलेक्जेंडर ने कहा कि ढांचे में निवेश के जरिए एशिया के सतत आर्थिक विकास को हासिल करने के बैंक के लक्ष्य का केंद्र बिंदु भारत है। यह बेहद महत्वपूर्ण है कि वार्षिक बैठक का आयोजन भारत की वित्तीय राजधानी मुम्बई में हो रहा है। हमें विश्वास है कि मुम्बई में होने वाली चर्चा से एआईआईबी और भारत के बीच सहयोग और बढ़ेगा। इससे एशिया में ढांचागत विकास के क्षेत्र में निजी क्षेत्र को पूंजीगत निवेश के लिए प्रोत्साहित करने में मदद मिलेगी। एआईआईबी अपने मूल्यों लचीला, स्वच्छ और हराभरा यानी लीन क्लीन और ग्रीन के आधार पर बैंक का विकास करना जारी रखेगा। श्री अलेक्जेंडर ने कहा कि एआईआईबी भारत सरकार और भारतीय उद्योग जगत मिलकर देशभर में सतत ढांचागत परियोजनाओं के लिए वित्तीय समाधान पर काम करना जारी रखेगा।

एआईआईबी की तीसरी वार्षिक बैठक 25 और 26 जून, 2018 को मुम्बई में होगी। इसमें एआईआईबी के 80 सदस्य देशों के प्रतिनिधि मंडल उद्यमी नागरिक सामाजिक संगठनों के सदस्य और मीडिया जगत के लोग हिस्सा लेंगे।

वार्षिक बैठक से संबंधित संगोष्ठियों का दिल्ली, कोलकाता, गुवाहटी, हैदराबाद, चैन्नई, बेंगलूरु और विशाखापत्तनम जैसे शहरों में आयोजन होगा। आगामी बैठक से जुड़ी समस्त जानकारी <https://www.aiib.org> उपलब्ध रहेगी।

वीके/बीपी/सीएल-5832

(Release ID: 1512421) Visitor Counter : 136

